THE SALVATION ARMY

उपदेश की रूपरेखा

बढ़ो

성장

स्वागत एवं परिचय

यदि यह कागज आपके हाथ में है, तो इसका मतलब है कि आपको अन्तर्राष्ट्रीय बाल एवं युवा दिवस के लिए एक उपदेश सौंपा गया है।

बधाई हो! इस रूपरेखा में, आप अपना उपदेश बनाने के लिए कुछ पृष्ठभूमि जानकारी और कुछ संकेत पा सकते हैं। आप एक अद्वितीय व्यक्ति हैं और परमेश्वर आपसे एक अनोखे तरीके से बात करता है। इसलिए, परमेश्वर जो कह रहा है उसे ध्यान से पढ़कर और सुनकर इस उपदेश को अपने तरीके से बनाएं।

परमेश्वर के साथ इस यात्रा का आनंद लें और इसकी आशीष प्राप्त करें और दूसरों के लिए भी आशीष बनें!

मैं उपदेश कैसे लिखूं?

1. धर्मशास्त्र की आयतों को प्रार्थनापूर्वक पढ़ने के लिए समय निकालें। ऐसा कई बार करें और तीन अलग-अलग अनुवादों या संस्करणों का उपयोग करें। आपका ध्यान किस ओर आकर्षित होता है? आपके क्या सवाल हैं? आपको क्या चुनौती देता है? परमेश्वर आपसे क्या कह रहा है? ये सब लिख लें।

2. पृष्ठभूमि की जानकारी का अध्ययन करें। इसका बाइबिल की आयतों के बारे में आपकी समझ पर क्या प्रभाव पड़ता है? अपने विचारों को अपने नोट्स में जोड़ें।

3. उन लोगों के बारे में सोचें जिनसे आप बात कर रहे हैं। कौन हैं वे? उनकी पृष्ठभूमि क्या है? उनकी उम्र क्या है? उन्हें क्या चाहिए? आप हमेशा बच्चों और युवाओं के समूह को व्हाट्सएप या मैसेंजर संदेश भेज सकते हैं। उनसे बाइबिल की आयतें पढ़ने के लिए कहें और उनके पास क्या प्रश्न हैं और क्या चुनौतियां हैं, वे आपको बताएं। यह जानकारी हमेशा बहुत उपयोगी होती है, और यह आपको अपने उपदेश के लिए एक अच्छी दिशा प्रदान करेगी।

4. वह कौन सा संदेश है जो आप चाहते हैं कि लोग अपने साथ ले कर जाएं? इसे एक वाक्य में लिखिए।

5. अपने उपदेश में एक से तीन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करें। स्वतंत्र होकर अपना स्वयं का चयन करें, लेकिन यदि आप परमेश्वर के राज्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं तो यहां एक उदाहरण दिया गया है।
   a. बीज का आकार हमें राज्य के बारे में क्या बताता है?
   b. बीज की संभावित वृद्धि हमें राज्य के बारे में क्या बताती है?
   c. पक्षियों के साथ पेड़ की छवि हमें राज्य के बारे में क्या बताती है?

6. आप स्वयं या युवाओं के समूह से प्राप्त जानकारी और प्रश्नों से इन तीन बिंदुओं को उजागर कर सकते हैं।

7. अपना उपदेश कुछ 'विचारणीय' प्रश्नों के साथ समाप्त करें जो लोगों को चुनौती देते हैं जैसे:
   a. मैं सोचता/सोचती हूँ कि इस कहानी का कौन सा भाग आपके बारे में है।
   b. मैं सोचता/सोचती हूँ कि इस कहानी का कौन सा भाग सबसे महत्वपूर्ण है।
   c. मैं सोचता/सोचती हूँ कि इस कहानी में आपको क्या सबसे अधिक चुनौती देता है।

8. परमेश्वर जो उनसे कह रहा है लोगों को उस पर अपने तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित करें। क्या परमेश्वर नई प्रतिबद्धता की माँग करता है? क्या परमेश्वर लोगों को कुछ करने की चुनौती देता है? दया आसन के स्थान की व्याख्या करें और लोगों को प्रार्थना, समर्पण या अपनी प्रतिबद्धता के नवीनीकरण के स्थान के रूप में दया आसन का उपयोग करने के लिए आमंत्रित करें।

धर्मशास्त्र

"उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया : "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो होता है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग-पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।"

- (मत्ती 13:31-32)

पृष्ठभूमि की जानकारी

मत्ती रचित सुसमाचार के अनुसार, यीशु हर आने वाले को बताता है कि राज्य निकट है। मत्ती आमतौर पर 'स्वर्ग का राज्य' कहता है, जबकि अन्य प्रचारक अक्सर 'परमेश्वर का राज्य' कहते हैं। मत्ती को इब्रानी भाषा का उपयोग करना पसंद है; वह भाषा जो यहूदी बोलते थे। यहूदियों को परमेश्वर का नाम लेने की अनुमति नहीं है, इसलिए वे 'परमेश्वर का राज्य' के बजाय 'स्वर्ग का राज्य' कहते हैं। लेकिन इसका मतलब वही है।

बहुत पहले, यहूदियों से वायदा किया गया था कि एक दिन राज्य आएगा। यीशु उसी संदेश को साथ लेकर आता है लेकिन उसमे कुछ नया जोड़ कर: राज्य निकट है। वरन, यह अब आ पहुंचा है!

राज्य वास्तव में कैसा है यह समझाने के लिए यीशु कई छवियों का उपयोग करता है।

वह इसकी तुलना उस राई के दाने से करता है जिसे आप जमीन में डालते हैं। यह एक छोटा सा बीज है और इसमें से निकलने वाला पौधा अभी आपको दिखाई नहीं देता है, लेकिन यह बड़ा होकर एक विशाल पौधा बनेगा। वह राज्य की तुलना ख़मीर से भी करता है। यह एक प्रकार का खमीर है जो ब्रेड के आटे में होता है जिससे ब्रेड फूल जाती है। शुरुआत में, रोटी का आटा भी छोटा और सघन होता है, लेकिन खमीर के कारण, यह बड़ा और बड़ा हो जाएगा।

इस सब से यीशु का तात्पर्य यह है कि राज्य पहले से ही इस दुनिया में मौजूद है, जैसे कि महत्वहीन, छोटे बीज में पौधे और रोटी के आटे में खमीर की तरह। आखिरकार, राज्य विकसित होगा या अकल्पनीय रूप से महान बनेगा। दृष्टान्त हमें साहस देना चाहता है। राज्य चाहे कितना भी महत्वहीन और छिपा हुआ क्यों न लगे, वह सर्वव्यापी शक्ति द्वारा सब कुछ तोड़ कर बाहर निकलेगा!

प्रश्न

इस कहानी में कुछ सवाल हैं। आप मंडली को कुछ प्रश्नों के साथ छोड़ सकते हैं जिनके बारे में वे विचार कर सकें। यहाँ कुछ सुझाव हैं। आप उपदेश उदाहरण में भी कुछ सुझाव पा सकते हैं।

अब मैं सोचता/सोचती हूँ...

...इस कहानी में बीज बोने वाला कौन है?
...इस कहानी में पक्षी कौन हैं?
...क्या वे पेड़ पाकर खुश थे?
... घोंसले वास्तव में क्या हो सकते हैं?

उपदेश उदाहरण

(मत्ती 13:31-32)

आप इस उपदेश को अपने उपदेश के लिए एक उदाहरण और प्रेरणा के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

परिचय

हाल्लेलूयाह!

क्या आपने कभी राई के दाने के बारे में सुना या देखा है? (आप अपनी उंगली पर सरसों का एक दाना दिखा सकते हैं।) राई के दाने इतने छोटे और हल्के होते हैं कि सिर्फ 1 ग्राम वजन करने के लिए 725 से 726 लगते हैं। उनका साइज केवल 0.5 से 1 मिमी तक होता है। आपको क्या लगता है कि इतने छोटे से राई के दाने का बाद में क्या होगा? (सुनें बच्चे क्या सोचते हैं)।

बाइबिल में राई के दाने का उपयोग कई बार बहुत छोटी चीज़ों के प्रतीक के रूप में किया गया है और, यहाँ इसका उपयोग परमेश्वर के राज्य की तस्वीर के रूप में किया गया है; नई दुनिया जैसा कि परमेश्वर ने चाहा था। ऐसा क्यों होगा? आइए एक साथ मिलकर आयत 31 को पढ़ें।

"उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया : "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। 32वह सब बीजों से छोटा तो होता है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग–पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।"

दुनिया का सबसे छोटा बीज परमेश्वर के राज्य जैसा कैसे हो सकता है? आइए परमेश्वर के वचन के माध्यम से रहस्य का पता लगाएं।

बीज का आकार

तो, यीशु ने परमेश्वर के राज्य की तुलना राई के दाने से क्यों की? पहली बात, ऐसा इसलिए क्योंकि परमेश्वर के राज्य की शुरुआत राई के सबसे छोटे दाने के समान है। बिल्कुल इस राई के दाने की तरह, इसकी शुरुआत छोटी और महत्वहीन होती है।

दानों को देखो। वे इतने छोटे होते हैं कि हल्के स्पर्श या हवा के झोंके से भी तुरंत गायब हो जाते हैं।

याद रखें कि परमेश्वर का राज्य पृथ्वी पर किस प्रकार लाया गया था। एक छोटे से बालक में, जिसे यीशु कहा जाता है। केवल 12 दोस्तों के साथ, यीशु ने अपने आस-पास के लोगों को दर्शाया कि परमेश्वर के राज्य का हिस्सा होने का क्या मतलब है। उसने दूसरों के साथ भोजन बाँटा, उसने बीमारों को चंगा किया और उसने लोगों को परमेश्वर के राज्य के लिए स्वर्णिम नियम सिखाया: अपने पूरे हृदय, मन और शक्ति से परमेश्वर से प्रेम करें और दूसरों से प्रेम करें, जैसे आप स्वयं से प्रेम करते हैं।

बीज की क्षमता

यीशु के समय में, सरसों के पौधे को आम तौर पर औषधि की तरह स्वास्थ्यवर्धक माना जाता था। आजकल किसान जानते हैं कि यह मिट्टी के लिए अच्छा है। यह मिट्टी को बेहतर बनाता है और खरपतवारों को बढ़ने से रोकता है। कुछ बातें जो आप नहीं जानते होंगे:

पौधे के अर्क का उपयोग टूथब्रश में किया जाता है क्योंकि वे प्लाक को रोक सकते हैं।

सरसों के फल और बीज में विटामिन ए और सी, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और सेलेनियम पाए जाते हैं।

यह रक्त विकार, सिरदर्द, गठिया और अस्थमा से लड़ने में मदद करता है।

इन छोटे बीजों में बहुत अधिक जीवन शक्ति होती है जो उपचार और जीवन-बहाल कर सकती है। बाइबिल की सबसे आश्चर्यजनक कहानियों में से एक कहानी यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में है। यह परमेश्वर की पवित्र शक्ति थी जिसने यीशु को उसकी मृत्यु के बाद फिर से जीवित होने में सक्षम बनाया, यह यह दर्शाती है कि परमेश्वर की पवित्र आत्मा किसी भी अंधकार से अधिक मजबूत है। लोगों में और उनके माध्यम से कार्य करने वाली परमेश्वर की पवित्र शक्ति के कारण राज्य में भी वही जीवन शक्ति है।

क्या आप अपने अंदर परमेश्वर की पवित्र शक्ति से अवगत हैं? आप यीशु की तरह लोगों से प्रेम कर सकते हैं। आप यीशु की तरह लोगों के साथ भोजन साझा कर सकते हैं। आप यीशु की तरह, परमेश्वर के राज्य के बारे में खुशखबरी साझा कर सकते हैं। आपके पास राज्य की क्षमता है!

बीज का परिणाम

लगभग 2000 साल पहले यीशु के समय में रहने वाले लोगों में से एक प्लिनी द एल्डर है। प्लिनी एक सैनिक, एक अनुभवी, एक विद्वान और एक शौकिया वैज्ञानिक था जो पौधों से प्यार करता था। उसने सरसों के पौधे के बारे में निम्नलिखित लिखा।

सरसों. . . अपने तीखे स्वाद और तीखी तासीर के कारण यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह पूरी तरह से जंगली रूप में उगता है, हालाँकि रोपाई से इसमें सुधार होता है: लेकिन दूसरी ओर, जब इसे एक बार बो दिया जाता है तो इससे जगह को मुक्त करना मुश्किल से संभव होता है, क्योंकि बीज गिरने पर तुरंत अंकुरित हो जाता है।

सरसों का पौधा एक न रुकनेवाला पौधा है; यह हर जगह बढ़ेगा! बिल्कुल परमेश्वर के राज्य की तरह। यह एक नई दुनिया में विकसित होगा जहां परमेश्वर का प्रेम शासन करेगा। यह उन लोगों के लिए सुरक्षित स्थान ठहरेगा जिन्हें पक्षियों की तरह आराम करने की जगह या छिपने की जगह की आवश्यकता होती है। यह नन्हे, छोटे बच्चों और बूढ़ों के लिए स्थान बनाएगा। इसमें हर जनजाति, नस्ल और रंग के गरीब और अमीर लोगों के लिए जगह शामिल होगी। इस राज्य का एक भाग पहले से ही नज़र आ रहा है; उदाहरण के लिए, उन बच्चों के जीवन में जो मुक्ति फ़ौज के होम में होने के कारण सुरक्षित स्थान पर हैं जहाँ अब उनकी देखभाल होती है। या जब आप उन बच्चों को देखते हैं जो मुक्ति फ़ौज की किसी कोर में स्कूल के बाद के कार्यक्रम के कारण लिखना सीखते हैं और आगे बढ़ना शुरू करते हैं। आप इसे एक साधारण मुस्कान में भी देख सकते हैं; जो दूसरों के जीवन को प्रकाशमान करती है।

हम छोटे और कमज़ोर लग सकते हैं, लेकिन परमेश्वर की पवित्र सामर्थ्य के द्वारा, हम खूबसूरती से विकसित हो सकते हैं। न्याय, शांति और प्रेम की एक न रुकने वाली नई दुनिया विकसित करने के लिए परमेश्वर की आत्मा अभी भी छोटे और महत्वहीन का उपयोग करती है।

इस कहानी में आप कौन हैं?
क्या आप राई के दाने की तरह छोटे और ननन्हे-से महसूस करते हैं?
क्या आप एक पक्षी की तरह महसूस करते हैं, जिसे आश्रय और आराम करने के लिए जगह की ज़रूरत है?
शायद आप उन जंगली पत्तियों और शाखाओं में से एक हैं, जो आश्रय प्रदान करती हैं।

यह कहानी आपको इस दुनिया में उस जंगली, न रुकने वाली शक्ति का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करती है। प्रेम और अनुग्रह की एक शक्ति जिहां कमजोर लोग दुनिया की कठोरता के खिलाफ शरण लेते हैं। आपको केवल इतना करना है कि परमेश्वर को 'हाँ' कहें और उसकी आत्मा को परमेश्वर, दूसरों और स्वयं के प्रति आपका प्रेम बढ़ाने दें।